दैनिक भास्कर

पारित लोकपाल के स्पष्ट लिमिटेड ने भारत को भुगतान नहीं किया। विश्वविद्यालय के पास जमा करने होते जिस बाद में 30 सितंबर तक बढ़ा

निदान: पहली मल्टीपल एन्यूरिज्म ऑफ साइनस ऑफ वाल्सल्वा का सफल इलाज

दुर्लभ बीमारी से पीड़ित महिला को मिला जीवनदान

वरिष्ठ संवाददाता | मुंबई

- दुनिया भर मे बीमारी से पीड़ितों की संख्या 18
- सात घंटे चली सर्जरी में हृदय में की गई तीन प्रक्रिया

मल्टीपल एन्यूरिज्म ऑफ साइनस ऑफ वाल्सल्वा नामक एक हृदय संबंधी गंभीर और दुर्लभ बीमारी से पीड़ित जलगांव की 34 वर्षीय महिला को मुंबई में नया जीवनदान मिला है। समय पर इलाज करके डॉक्टरों ने इस महिला की जान बचाई है। इस तरह का यह पहला मामला है और इस बीमारी की सर्जरी भी मुंबई में पहली बार की गई है। इस बीमारी के सिर्फ 18 मरीज ही पूरी दुनिया में अब तक पाए गए हैं।

सीमा पाटील (34) नामक महिला को सांस लेने में तकलीफ हो रही थी। बिगड़ती सेहत को देखते हुए परिवार वालों ने उन्हें इलाज के लिए मुंबई के एक सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया था। चिकित्सा जांच में पता चला कि महिला का हृदय ठीक से काम नहीं कर रहा है। इकोकार्डियोग्राम और सीटी स्कैन सहित अन्य जांच में महिला में मल्टीपल एन्यूरिज्म ऑफ साइनस ऑफ वाल्सल्वा की गंभीर और दुर्लभ बीमारी का पता चला। आगे के इलाज के लिए डॉक्टरों ने मरीज को लीलावती अस्पताल ले जाने की सलाह दी।

लीलावती अस्पताल के हृदय सर्जरी विभाग के प्रमुख और कार्डियोवस्कुलर सर्जन डॉ. पवन कुमार ने बताया कि जांच में दो एन्यूरिज्म का निदान हुआ। उन्होंने बताया कि एन्युरिज्म यानी एक तरह का गुब्बारा था। इसके साथ ही, उसकी महाधमनी वाल्व पूरी तरह से लीक हो रही थी। ऐसी स्थिती में तुरंत सर्जरी करना काफी जरूरी था।

भारत में ऐसे छह मामले

डॉ. पवन ने बताया कि वाल्सल्वा का साइनस के एन्यूरिज्म (एएसओवी) यह काफी दुर्लभ हृदय संबंधी बीमारी है। इसका प्रमाण सामान्य आबादी में 0.09 फीसदी और जन्मजात हृदय दोषों में 0.1 से 3.5 फीसदी है। अब तक इस बीमारी के दुनियाभर में केवल 18 ऐसे मामले सामने आए हैं। जबकि भारत में ऐसे छह मामले सामने आए हैं जबकि चार ऐसे मामलों का सर्जरी द्वारा इलाज किया गया है। महाराष्ट्र में यह पहला मामला है।

paper-bhaskarhindi-com.wl6-demo.readwhere.com